SSLC MODEL EXAMINATION 2023 HINDI ANSWER KEY

1. छत से गिर गई ।

2. बेला के सिर पर चोट लगी थी । खेलने पर फिर चोट लगने की संभावना थी । इसलिए साहिल ने बेला को खेलने से मना किया ।

3. पटकथा (गाँधी चौक के लंगडी टाँग खेल)

स्थान - स्कूल का मैदान ।

समय - सुबह 10 बजे ।

पात्र - 1. बेला, करीब 11 साल की लडकी, स्कूल यूनीफॉर्म पहनी है ।
2. साहिल, करीब 11 साल का लडका, स्कूल यूनीफॉर्म पहना है ।

दृश्य का विवरण - दीपावली के बाद स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी । यह देखकर साहिल उसके पास आता है ।

संवाद -

साहिल - (परेशान होकर) तेरे सिर पर यह क्या हो गया बेला ?

बेला - (हँसकर) छत से गिरकर चोट लग गयी ।

साहिल - यह कब हुआ ?

बेला - बहुत दिन हो गए ।

साहिल - अब दर्द है क्या ?

बेला - नहीं । आज खेल घंटी में हम गाँधी चौक में लंगडी टाँग खेलेंगे ।

साहिल - नहीं खेलेंगे । तेरे सिर में फिर से चोट लग जाएगी तो ...?

बेला - (ज़िद करते हुए) नहीं लगेगी ।

साहिल - तो ठीक है । अपनी मर्ज़ी ।

(दोनों खुशी से कक्षा में जाकर बैठते हैं ।)

4. काला

5. क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को

6. कवितांश का आशय

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के प्रमुख कवि श्री.राजेश जोशी की सुंदर कविता बच्चे काम पर जा रहे हैं से ली गई हैं । इसमें कवि बालश्रम की समस्या पर तीखा प्रहार करते हैं ।

छोटे-छोटे बच्चे पढने के बजाय काम करने केलिए जा रहे हैं । इस भयानक दृश्य देखकर कवि पूछते हैं कि क्या सारी गेंदें अंतरिक्ष में गिर गई हैं ? सारी रंग-बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया क्या ? क्या सारे खिलौने काले पहाड के नीचे दब गए हैं ? गेंदें, किताबें और खिलौने बच्चों के मनोरंजन एवं मानसिक विकास का साधन है । इन सब से ये बच्चे वंचित हैं । बच्चों को पढने की सुविधाएँ उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है ।

बालश्रम के प्रति हमारा ध्यान आकर्षित करनेवाली यह कविता बिलकुल प्रासंगिक और अच्छी है । कविता की भाषा अत्यंत सरल एवं हमें चिंतित करने की प्रेरणा देनेवाली है ।

7. **गंगी** पानी पी **रही** है ।

8. ठाकुर को देखकर

9. गंगी और जोखू के बीच हुए वार्तालाप (ठाकुर के कुएँ से वापस घर आने पर)

गंगी - अरे ! यह क्या कर रहे हैं ?

जोखू - प्यास के मारे मैं थोडा पानी पी रहा हूँ ।

गंगी - वह तो गंदा पानी है न ?

जोखू - क्या करूँ ? गला सूख रहा है ।

गंगी - जानती न ? गंदे पानी से बीमारी बढेगी ।

जोखू - हाँ... । तू पानी लेने गई थी न ? पानी मिला क्या ?

गंगी - नहीं, जान बच गई, इतना ही ...

जोखू - मैंने पहले ही बताया था न ?

गंगी - पानी भर रही थी । घडा कुएँ के मुँह तक आया था । लेकिन ...

जोखू - बाप रे ! क्या ठाकुर ने तुम्हें देखा ?

गंगी - नहीं । मैं जगत से कूदकर भागी ।

जोखू - हे भगवान ! पीने का पानी लेने का भी हक नहीं ... मैला पानी ही पी लूँ ।

अथवा

टिप्पणी - जातिप्रथा अभिशाप है

हमारे समाज में जाति भेद एक बडी समस्या है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। जाति के नाम पर मनुष्य को अलग-अलग विभागों में बाँटना अभिशाप है। उच्च जाति के लोग निम्न जाति के लोग से कठिन मेहनत करवाते हैं। लेकिन उसे उचित वेतन नहीं देता है। सार्वजनिक कुएँ से पानी भरना, इष्ट भोजन खाना, आवश्यक वस्त्र पहनना, मंदिर में प्रवेश करना आदि को उन्हें नहीं मिलता है। उनके बच्चों को स्कूल में जाकर पढने का अवकाश तक नहीं है। निम्न कहे जानेवाले लोगों से छुआ पानी पीना, भोजन खाना, कुएँ से पानी भरना, रास्ते में उनसे मिलना आदि बातों में पाबंदी थी। निम्न वर्ग के लोग ये सब सहकर जीने को विवश थे। उच्च वर्ग के लोगों के हितानुसार अपनी ज़िंदगी की प्राथमिकताओं को तय करने केलिए भी वे विवश थे। इन भेदभावों से मुक्ति आवश्यक है। जाति प्रथा को इस समाज से नहीं इस देश से दूर करना चाहिए। इससे ही समाज की तथा देश की भलाई होती है।

10. मोरपाल हमेशा स्कूल यूनीफॉर्म पहनता था।

11. मैं + को = मुझे

12.

मोरपाल	राजमा चावल पसंद करता था। रोज़ स्कूल जाना पसंद करता था।
मिहिर	छाछ पसंद करता था। छुट्टी के दिन घर पर नाचा करता था।

13. माँ ने

14. **गुठली का पत्र (बुआ की नसीहतें)**

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ।

ज़िंदगी में पहली बार एक लडकी होने पर निराशा का अनुभव होती है। लडके जैसे भी चलें और जैसे भी बातचीत करें। लडकियों को कुछ भी करने की स्वतंत्रता नहीं। बुआ ने कहा कि मेरा घर अपना नहीं है, वह तो पराया है। पर इस घर में ही मैं पैदा हुई हूँ। फिर यह घर मेरेलिए क्यों पराया हुआ है ? बुआ के अनुसार लडकियाँ ससुराल को अपना घर मानें। मुझे सब बातें समझने की अकल नहीं आई है। मेरी प्रतीक्षा यह थी कि इस विषय पर माँ मेरी सहायता करती। किंतु वे भी बुआ का साथ देता देखकर मुझे बडा आघात हुआ है। मैं अपना दुख किससे कहूँ ? काश मैं भी एक लडका होता तो कितना अच्छा होता !

आगे मैं ऐसी व्यवहार सह नहीं सकती। लडकी-लडके से कभी कम नहीं है। इस रूढी के विरुद्ध मैं ज़रूर आवाज़ उठाऊँगी। क्या तुम भी मेरे साथ होगी।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे हो रही है ? तुम कब यहाँ आओगी ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र

(हस्ताक्षर)

नाम

सेवा में,

नाम

पता।

अथवा

जी एच्च एस एस, कोल्लम

अंतर्राष्ट्रीच य महिला दिवस के सिलसिले में

संगोष्ठी

विषय - **स्त्री -पुरुष की समानता; देश की प्रगति का आधार**

आयोजन - हिंदी मंच

तारीख	- 2023 मार्च 8
समय	- सुबह 10 बजे
स्थान	- स्कूल सभाभवन

उद्घाटन - शिक्षा मंत्री, केरल

विषय प्रस्तुति - क्लब प्रसिडेंट

स्त्री -पुरुष असमानता मिटाओ... समानता को अपनाओ ...

भाग लें... लाभ उठाएँ ...

सबका स्वागत

15. मासूमियत

16. मैनेजर की डायरी

तारीख : .....

आज का दिन मेरी ज़िंदगी का सबसे महत्वपूर्ण दिन था। मैं ने जो कुछ किया था, वह बिलकुल सही निकला। चार्ली बहुत होशियारी से लोगों को अपने वश में कर लिया। केवल पाँच साल का बच्चा... बडी चतुराई है उसमें ! मुझे डर था कि पाँच साल का लडका उग्र भीड को झेल पाएगा क्या ? उसका जैक जोन्स का गाना... बहुत अच्छा निकला। दूसरों की नकल उतारना... नाचना... सब अच्छे निकले। स्टेज पर लोग जमकर पैसे बरसने लगे। तारीफ करने लगे। मन खुशी से खिल उठने लगा। ज़रूर वह एक बडा शो मैन बनेगा।

अथवा

समाचार (चार्ली का पहला शो)

माँ की आवाज़ फटी ; बेटा बना शो मैन

स्थान : ..... लंदन के प्रसिद्ध थिएडर में पहली बार कदम रखा पाँच साल का बच्चा चार्ली ने स्टेज पर चमत्कार कर दिया। गाते समय अपनी माँ की आवाज़ को फटते देखकर मैनेजर के साथ वह स्टेज पर लाया गया। चार्ली निष्कलंकता से गा रहा था कि लोग प्रसन्न होकर स्टेज पर पैसा फेंकने लगे। तब चार्ली ने गाना बंद करके पैसे बटोरने के बाद आगे गाने की घोषणा की। इस व्यवहार ने हॉल को हँसीघर में बदल दिया। इसके बाद उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी। दर्शकों ने खुशी से तालियाँ बजाकर चार्ली का अभिनंदन किया। लोगों ने उसमें एक महान कलाकार को देख लिया था।

17. बच्चा काम करता है।

18. सलाह देना

19. वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें।

* बच्चे चुनते हैं।
* बच्चे फूल चुनते हैं।
* बच्चे **सुंदर** फूल चुनते हैं।
* बच्चे **पहाडों से** सुंदर फूल चुनते हैं।

SREEJITH.R, KOVOOR, VARKALA